आप को ठीक किया था। अंग्रेजों के पास कोई ऐसा आदमी नहीं था, जो महात्मा गांधी का मुकाबला कर सके। इसी वजह से अंग्रेजों को इस मुल्क को छोड़ कर जाना पड़ा।

To be good cheers and believe that we are selected by the Lord to do great thing and we will do that. Hold yourself in readiness. Be pure and holy. Love for lover's sake and love the poor and be miserable to the downtrodden. God bless you.

आप कहते हैं कि हमारे लिए कुछ नहीं हो रहा है। मैं कहता हूं कि मेरे साथ भी यही हुआ। मेरे लिये भी कुछ नहीं हुआ। मैं पंडित जवाहर लाल नेहरू से मिला, वह एक शानदार आदमी थे, उनकी मदद लेकर मैंने सब को सीधा कर लिया, जो कुछ लेना था वह ले लिया। मैं कहता हूं कि हरिजनों को आज कुछ नहीं मिलता है तो हरिजनों का कसूर है। जो दबाता है उसका कसूर नहीं है, जो दबता है उसका कसूर है। अपोजीशन वालों से मैं कहता हूं कि तुम्हारी वजह से हम कमजोर हैं

....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय : सुन्दर सिंह जी, अब दोबारा फिर बोलिएगा।

18.01 hrs.

STATEMENT BY PRIME MINISTER *RE* HER FORTHCOMING VISIT TO CERTAIN FOREIGN COUNTRIES

MR. SPEAKER : The Prime Minister to make a statement.

THE PRIME MINISTER (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : Mr. Speaker, Sir, Hon. Members know of the proposal for my visits to Libya, Tunisia, Algeria and Egypt. This was in response to invitations which had been extended and accepted a long time ago. Libya and Tunisia have not been visited by any Indian President or Prime Minister, and they have been reminding us that such visits were overdue.

These four are important member of the world community and prominent in the Non-Aligned Movement. We have had always close relations with them and have shared assessments with them on important international developments. We also have increasing mutually advantageous economic relations with these countries. The object of my visits was to strengthen our bilateral relations as also to discuss cousses of action regarding the deterioration of the situation in West Asia and elsewhere. Inspite of the importance of the subjects to be discussed, since the House is in session and events in our country need close watch, the stay in each country was anyhow to be very short, a day or two in each capital.

Owing to the situtation in Punjab, we did consider postponment of these visits. However, it was felt that it was too late to cancel the visits to Libya and Tunisia which are to being tomorrow. It has now been decided to visit these two countries from the 7th to 9th April and to postpone the visits to Algeria and Egypt for the time being.

The Governments of Algeria and Egypt have been most understanding and have agreed to my coming at a later date soon. We are grateful to them for their helpfulness.

The House knows that wherever I am, I am kept in constant touch with developments at home and receive all essential papers. It is my sincere hope that all sections of the people of Punjab will work together for countering the distrust and violence.

It will be my privilege to carry the greetings and good wishes of the Indian people and of their elected represen-

[Shrimati Indira Gandhi]

tatives in this august House to the Governments and peoples of Socialist People's Libyan Arab Jamahiriya and the Republic of Tunisia.

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : *Bon voyage.*

18.05 hrs.

DISCUSSION *RE* SITUATION ARISING OUT OF REPORTED DECISION OF THE GOVERNMENT OF SRI LANKA TO IMPOSE MILITARY RULE IN JAFFNA AND RENEWED SPATE OF KILLINGS OF TAMILIANS OF INDIAN ORIGIN LIVING IN SRI LANKA—(*CONTD*).

MR. SPEAKER : We will continue with the discussion under Rule 193. Shri Kabuli to continue his speech.

श्री अब्दुल रसीद काबुली (श्रीनगर) : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ चन्द बातों की तरफ ही ध्यान दिलाऊंगा और चाहूंगा कि यह ऐवान उन बातों का खास ख्याल रखे। पिछले दिनों सीलोन में जाफना के मुकाम पर चुन्नकम और मल्लकम में जो दस आम आदमी मारे गए जिसमें एक प्रेग्नेंट (हामिला) खातून भी थी और वह इस वजह से, बहाना यह बना दिया कि कुछ एक्सट्रीमिस्ट्स ने चार पुलिस के व्यक्ति मार दिये, इसके अलावा एमर्जेंसी डिफेंस फण्ड का बनाना और न्यू मिनिस्ट्री आफ नेशनल सेक्योरिटी को बनाना, साथ-साथ श्रीलंका आर्मी को जो पूरे-पूरे पावर्स मिले हुए हैं अन्डर ऐंटी टैररिज्म ला, ये वह हालात हैं जिनकी तरफ हमें तवज्जह देनी है। और इस सिलसिले में हम भूल नहीं सकते हैं कि 1983 के बाद वहां पर जो दुर्दशा हुई, जो जुल्म हुआ, जो अन्याय हुआ लोगों पर और जिसमें तकरीबन 600 करोड़ की जायदादें तमिल बोलने वाले लोगों की नुकसान की गई और कई सौ आदमी कत्ल कर दिए गए। इसके अलावा हजारों आदमियों को अपना घर-बार छोड़ना पड़ा।

18.06 hrs.

[DR. RAJENDRA KUMARI BAJPAI *in the Chair*]

श्रीलंका का जो ईस्टर्न पार्ट है वहां से लोग भागकर आए और कैम्पों में चले गए और जहां तक मेरी इत्तला है हजारों की तादाद में अभी तक लोग उन कैम्पों में पड़े हैं, बेसहारा बेचारगी की हालत में, और वे वापस घर जाना नहीं चाहते हैं बल्कि उनकी कोशिश और मांग यह है कि उन्हें हिन्दुस्तान भेजा जाये। तो आज जो सबसे बड़ा खतरा पैदा हो रहा है तमिल बोलने वालों के लिये वह यह है कि एक साजिश के तहत एक सिलसिला शुरू किया गया है कि जो तमिल बोलने वाले इलाके हैं, जो तमिल नस्ल के लोग हैं उनकी आबादी वहां पर घटाई जाए। चुनांचे उसी सिलसिले में बट्टी कालबा, कलकुड़ा—यह दो जगहें हैं जहां पचास हजार सिंहलीज को लाकर बसाया गया ताकि उन इलाकों में तमिल नस्ल के लोगों की जो आबादी बढ़ी है उसको घटाया जा सके और उन पर सिंहलीज मेजारिटी कम्युनिटी को मुसल्लत किया जाए। यह एक बहुत बड़े खतरे की बात है क्योंकि हमने देखा है इजरायल भी यही कर रहा है और साउथ अफ्रीका में भी यही सब हुआ। हम देख रहे हैं इजरायल के उन इलाकों में जो फिलस्तीनी लोगों का हिस्सा था, जहां पर इजराय-